



एग्री मैगज़ीन

(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)

वर्ष: 03, अंक: 04 (अप्रैल, 2026)

www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

बाजार में किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) की भूमिका

डॉ. हरकेश कुमार बलाई¹ एवं *अशमित परमार²

¹असिस्टेंट प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, चाकसू, जयपुर, भारत

²स्टूडेंट, बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी चाकसू, जयपुर, भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: ashmitparamar@gmail.com

भारतीय कृषि परिदृश्य मुख्य रूप से छोटे और सीमांत किसानों द्वारा संचालित है। इन किसानों को अक्सर बीज, उर्वरक और कीटनाशकों जैसे कृषि आदानों की खरीद और अपनी उपज के विपणन (Marketing) में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। 'किसान उत्पादक संगठन' (FPO) किसानों का एक ऐसा समूह है, जो किसानों के हितों की रक्षा करने और उन्हें बाजार में मजबूती प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह "एक के लिए सभी और सभी के लिए एक" के सिद्धांत पर काम करता है।

बाजार जुड़ाव में FPO की मुख्य भूमिका

FPO किसानों को बिचौलियों के जाल से बाहर निकालने और उन्हें सीधे बड़े खरीदारों, निर्यातकों और खुदरा विक्रेताओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसकी मुख्य भूमिकाएँ निम्नलिखित हैं:

- सौदेबाजी की शक्ति (Bargaining Power): एकल किसान की तुलना में, जब किसान एक समूह के रूप में अपनी उपज बेचते हैं, तो उनकी बाजार में मोलभाव करने की शक्ति बढ़ जाती है।
- मूल्य संवर्धन (Value Addition): FPO प्राथमिक प्रसंस्करण, ग्रेडिंग और पैकेजिंग के माध्यम से उत्पाद का मूल्य बढ़ाते हैं, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं।
- बाजार सूचना: किसानों को बाजार की मांग, कीमतों के रुझान और गुणवत्ता मानकों की सटीक जानकारी प्रदान करना।

FPO के माध्यम से बाजार के लाभ (तुलनात्मक विवरण)

कारक	पारंपरिक तरीका (एकल किसान)	FPO के माध्यम से विपणन
विपणन लागत	अत्यधिक (परिवहन और बिचौलिये)	कम (सामूहिक परिवहन और सीधा विक्रय)
मूल्य निर्धारण	व्यापारी द्वारा निर्धारित	बाजार विश्लेषण के आधार पर प्रतिस्पर्धी मूल्य
क्रेडिट सुविधा	अनौपचारिक स्रोत (ऊंची ब्याज दर)	संस्थागत ऋण और बैंकिंग सहायता
बाजार पहुंच	स्थानीय मंडी तक सीमित	राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार

FPO की कार्यप्रणाली और संरचना

FPO का पंजीकरण कंपनी अधिनियम या सहकारी समिति अधिनियम के तहत किया जा सकता है। यह छोटे किसानों को तकनीकी सहायता, बीज और उर्वरकों की सामूहिक खरीद, और कटाई के बाद के प्रबंधन में मदद करता है।

तालिका 2: FPO की सेवाएँ और प्रभाव

सेवा का प्रकार	विवरण	किसान को लाभ
इनपुट सेवाएँ	थोक में बीज, खाद और मशीनरी की आपूर्ति	लागत में 15-20% की कमी
प्रसंस्करण	सफाई, छंटाई और पैकेजिंग	उत्पाद की गुणवत्ता और कीमत में वृद्धि
वित्तीय सेवाएँ	बीमा और ऋण की व्यवस्था	जोखिम में कमी

चुनौतियाँ और समाधान

यद्यपि FPO के कई लाभ हैं, फिर भी उन्हें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे कि कुशल प्रबंधन की कमी, अपर्याप्त पूंजी और बुनियादी ढांचे (कोल्ड स्टोरेज, गोदाम) का अभाव। सरकार '10,000 FPO योजना' के माध्यम से इन चुनौतियों को हल करने का प्रयास कर रही है।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः, किसान उत्पादक संगठन (FPO) आधुनिक कृषि और बाजार के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। यह न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। डॉ. हरकेश बलाई और अशिम परमार के अनुसार, यदि FPO को सही प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता मिले, तो वे भारतीय कृषि को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकते हैं।

संदर्भ

1. FPOS पर SFAC (स्मॉल फार्मर्स एग्रीबिजनेस कंसोर्टियम) की रिपोर्ट।
2. FPOS के लिए NABARD (नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट) की गाइडलाइंस।
3. मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर एंड फार्मर्स वेल्फेयर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया - FPOS के लिए ऑपरेशनल गाइडलाइंस।
4. इकोनॉमिक सर्वे ऑफ इंडिया (एग्रीकल्चर सेक्शन)।